UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(26)/2023-24/

Dated: 05.07.2023

N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 14-1/-(14-1-1/-) dated 09.06.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-III of the department of Hindi under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.

DEPARTMENT OF HINDI

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

सेमेस्टर – 3

हिंदी नाटक एवं एकांकी

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3

सामान्य भाषा विज्ञान

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

सेमेस्टर – 3

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

सेमेस्टर – 3

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

सेमेस्टर – 3

रचनात्मक लेखन

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत (12 घंटे)

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा (09 घंटे)

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन (12 घंटे)

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन (12 घंटे)

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES

The Pool of Generic Electives offered in Semester -I and Semester-II will also be open for Semester-III.

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BCom (Prog) **सेमेस्टर III/IV – GE/Language** – **क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'क'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'क'**	4	3	1	0	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	12th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई 2 कहानी

अनमोल रतन - प्रेमचंद

मलबे का मालिक - मोहन राकेश

इकाई 3 निबंध

उत्साह - रामचन्द्र शुक्ल

आचरण की सभ्यता - अध्यापक पूर्ण सिंह

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

दीपदान - रामकुमार वर्मा

भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BCom (Prog) **सेमेस्टर Sem III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ख'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ख'**	4	3	1	—	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	10th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, संस्मरण, निबंध, एकांकी

इकाई 2 कहानी

उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
चीफ की दावत - भीष्म साहनी

इकाई 3 निबंध

एक दुराशा - बालमुकुंद गुप्त
मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

बिबिया - महादेवी वर्मा
सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण

BCom (Prog) **सेमेस्टर Sem III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ग'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ग'**	4	3	1	0	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	8th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई 2 कहानी

दो बैलों की कथा - प्रेमचंद

बहादुर - अमरकांत

इकाई 3 निबंध

सच्ची वीरता - सरदार पूर्ण सिंह

घर जोड़ने की माया - हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

रामा - महादेवी वर्मा

मंगर - रामवृक्ष बेनीपुरी

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

माध्यम क़ानून और आचार संहिता DSC 7 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 7 **माध्यम क़ानून और आचार संहिता**	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों को मीडिया संबंधी कानूनों से अवगत कराना।
2. छात्रों को संविधान में निहित सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना।
3. छात्रों को मीडिया नियमन और भविष्य की चुनौतियों का अवलोकन कराना।
4. छात्रों में मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित करना।

Learning Outcomes

1. भारतीय मीडिया के संवैधानिक आयामों की समझ विकसित होगी।
2. मीडिया के कानूनों और नियमों से परिचित होंगे।
3. मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित होगी।
4. सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ स्वस्थ और ईमानदार पत्रकारिता हेतु दक्ष होंगे।

1. प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक प्रावधान 10 घंटे

- वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(1) (a), (19) (2)
- विविध प्रेस आयोग
- श्रमजीवी पत्रकार कानून (पालेकर, बछावत, मजीठिया और मणिसाना)

2. अधिनियम और कानून 10 घंटे

- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, बौद्धिक संपदा कानून - प्रतिलिप्याधिकार कानून 1957, पेटेंट कानून 1970
- शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923, सूचना का अधिकार 2005
- युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956, महिलाओं के अशिष्ट रुपण प्रतिषेध अधिनियम 1986

3. मीडिया कानून और समाज 10 घंटे

- भारतीय दंड संहिता 1860: मानहानि, राजद्रोह
- न्यायालय अवमानना अधिनियम अनुच्छेद 1971 (अनुच्छेद 361)
- संसदीय एवं विधान मंडल विशेषाधिकार

4. इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया कानून 15 घंटे

- सिनेमैटोग्राफी अधिनियम
- मीडिया के नए कानून 2021
- माध्यम आचार संहिता: अवधारणा और आवश्यकता, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की आचार संहिता, विज्ञापन संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- किसी एक न्यायिक प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- संसदीय प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- न्यायालय की तकनीकी शब्दावली तैयार करना।
- विभिन्न प्रेस कानूनों (उपरोक्त) से संबंधित केस स्टडी पर आधारित एक परियोजना कार्य।

संदर्भ पुस्तकें :

1. शासकीय गजट में प्रकाशित संबंधित अधिनियम
2. भारतीय दंड संहिता, प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित मूल अधिनियम
3. आपातकालीन पत्रकारिता की संघर्ष-गाथा, अरुण कुमार भगत, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
4. प्रेस विधि, नंदकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
6. प्रेस विधि एवं अभियुक्त स्वातंत्र्य, डॉ हरबंश दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, वेद प्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
8. जनमाध्यम कानून एवं उत्तरदायित्व, श्रीकांत सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
9. बौद्धिक संपदा विधियां, ज्ञानवती धाकड़, सेंट्रल लॉ प्रकाशन

संपादन DSC 8 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 8 संपादन	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाचार संपादन के महत्व, प्रक्रिया और प्रयोग से छात्रों को अवगत कराना।
2. समाचार संपादन में आवश्यक कारकों की जानकारी प्रदान करना।
3. विभिन्न माध्यमों के संपादन कार्य से परिचित कराना।
4. संपादकीय लेखन, प्रूफ संशोधन आदि का ज्ञान प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र समाचार लेखन में संपादन कार्य के महत्व को समझ पायेंगे।
2. पेज मेकअप, ले आउट, डिजाइन आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. छात्र ऑनलाइन संपादन का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

1. संपादन **10 घंटे**

- संपादन अर्थ, उद्देश्य, प्रक्रिया और प्रमुख सिद्धान्त
- समाचार पत्र एवं पत्रिका संपादन
- रेडियो टीवी एवं ऑनलाइन समाचार संपादन

2. समाचार संपादन **10 घंटे**

- कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन, पृष्ट समाचार संपादन
- ग्राफिक्स कार्टून और फ़ोटो चयन

- लेआउट, डिज़ाइन एवं पेज मेकअप

3. संपादन तकनीक 10 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ की संरचना और संपादकीय लिखना
- संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
- संपादकीय चिह्न और पांडुलिपि संशोधन, प्रूफ संशोधन

4. विशेष लेख और संपादन 15 घंटे

- संपादकीय विभाग का ढांचा
- संपादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं योग्यताएं
- शीर्षक लेखन, टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा, संपादन के नाम पत्र

5. व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ हेतु लेखन की प्रस्तुति
- संपादकीय पृष्ठ का डमी निर्माण
- संपादकीय पृष्ठ का तुलनात्मक अध्ययन और उसकी प्रस्तुति
- प्रकाशन हेतु कॉपी तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1. पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
2. ग्राफ़िक डिजाइन, नरेंद्र यादव, हरियाणा ग्रंथ अक़ादमी, पंचकुला
3. समाचार, फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी की आधुनिक पत्रकारिता, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
5. सोशल नेटवर्किंगः नए समय का संवाद, डॉ संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. संपादन कला, के पी नारायणन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अक़ादमी, भोपाल
7. समाचार-पत्र, मुद्रण और साज-सज्जा, श्यामसुंदर शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अक़ादमी, भोपाल

रेडियो DSC 9 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रेडियो DSC 9	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. रेडियो का व्यावहारिक परिचय कराना।
2. रेडियो कार्यक्रमों द्वारा सांस्कृतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना।
3. बदलते दौर में नए वैश्विक संदर्भ और कार्यक्रम प्रविधि तकनीक से अवगत कराना।
4. रेडियो कार्यक्रम, उपकरण, लेखन, रिपोर्टिंग संबंधी पहलुओं से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. रेडियो कार्यक्रम की समझ विकसित होगी।
2. श्रव्य माध्यम का महत्व समझेंगे।
3. रेडियो का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
4. वैश्विक परिदृश्य और नई तकनीक की जानकारी होगी।

1. जन श्रव्य माध्यम रेडियो - सामान्य परिचय 10 घंटे

- भारतीय परिप्रेक्ष्य में रेडियो के प्रमुख बदलाव: 90 के दशक के बाद से आज तक
- रेडियो की विशेषताएं और संभावनाएं
- रेडियो के विविध रूप : एएम, एफएम, सामुदायिक रेडियो, पॉडकास्ट

2. रेडियो कार्यक्रम लेखन 10 घंटे

- समाचार कार्यक्रमों के लिए लेखन: समाचार बुलेटिन, वार्ता, एंकरिंग
- मनोरंजन कार्यक्रम की विधाएँ : लघु नाटिका, फिल्म, ,नाटक, प्रहसन, डाक्यूमेंट्री

- विशिष्ट श्रोता वर्ग कार्यक्रम: स्त्री, बाल, युवा, बुजुर्ग, सैनिक, किसान, ग्रामीण, शहरी, आदिवासी और दिव्यांग

3. रेडियो कार्यक्रम तकनीक एवं संपादन 10 घंटे

- रेडियो केंद्र का ढांचा, संगठन और कार्यप्रणाली
- रेडियो स्टूडियो के विभिन्न उपकरण : रिकॉर्डर, हेडफोन,कंसोल, माइक्रोफोन, ऑन एयर लाइट, ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर
- रेडियो जॉकी : भूमिका और दायित्व

4. रेडियो प्रबंधन 15 घंटे

- आकाशवाणी, एफ.एम. और सामुदायिक रेडियो का प्रबंधन
- रेडियो कार्यक्रम: विपणन और वितरण
- आकाशवाणी की रेडियो प्रसारण संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य 30 घंटे

- रेडियो पर प्रसारित सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करना।
- रेडियो के लिए किसी समाचारपरक, वार्तापरक, और मनोरंजन परक कार्यक्रम की स्क्रिप्ट तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का साक्षात्कार तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का समाचार बुलेटिन और न्यूजरील तैयार करना।
- किसी समसामयिक मुद्दे पर 5 मिनट का पॉडकास्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. अंडरस्टैंडिंग रेडियो: एंड्रयू क्रिसेल, क्रिसेल टेलर एंड ग्रुप पब्लिकेशन
2. रेडियो और दूर-दर्शन पत्रकारिता, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, नई दिल्ली
3. ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया : जी.सी.अवस्थी, एलाइड पब्लिकेशन
4. रेडियो लेखन: मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. रेडियो जॉकीईंग की कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, दिल्ली
6. इंडिया ब्रॉडकास्टिंग: एच.के लूथरा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
7. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल्स: मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

क्षेत्रीय पत्रकारिता DSE 1- (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 1 **क्षेत्रीय पत्रकारिता**	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता के स्वरूप को समझाना।
2. संस्कृति-विकास और स्थानीय महत्त्व की दृष्टि से क्षेत्रीय पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. लोक कला, लोक साहित्य, लोक संगीत के विकास में क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर विचार करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय पत्रकारिता के विविध रूपों की जानकारी हासिल कर पाएंगे।
2. स्थानीय भाषाओं के महत्त्व एवं उसके योगदान से अवगत होंगे।
3. क्षेत्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता – अर्थ स्वरूप एवं प्रकृति
- स्वाधीनता संग्राम में क्षेत्रीय पत्रकारिता का योगदान
- मुख्यधारा की मीडिया और क्षेत्रीय पत्रकारिता में अंतर

2. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रबंधन और बाज़ार, सामग्री संकलन
- सामाजिक परिवर्तन और लोक संस्कृति पर क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रभाव

- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली

3. क्षेत्रीय पत्रकारिता की अंतर्वस्तु **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्र-पत्रिकाओं में स्थानीय समाचार, जनसरोकार संबंधी मुद्दों की प्रस्तुति
- आकाशवाणी – दूरदर्शन में क्षेत्रीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति के विविध आयाम
- ऑनलाइन क्षेत्रीय पत्रकारिता और क्षेत्रीय मुद्दे

4. क्षेत्रीय ग्रामीण पत्रकारिता **15 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता में ग्रामीण संदर्भ
- प्रिंट माध्यमों में जनपदीय ब्यूरो-संरचना, संकलन एवं अन्य संदर्भ
- क्षेत्रीय पत्रकार की कार्यप्रणाली और चुनौतियाँ

प्रायोगिक कार्य : 30 **घंटे**

- मुख्य-धारा एवं क्षेत्रीय समाचार-पत्र, पत्रिकाओं की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण
- क्षेत्रीय समाचार पत्र के लिये रिपोर्ट लेखन, फ़ीचर प्रस्तुत करना
- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली की समीक्षा करना
- स्थानीय मुद्दों पर आधारित न्यूजलेटर का निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया में महिलाओं की भूमिका, संगीता अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
2. बिहार में पत्रकारिता का इतिहास, विजय भास्कर, प्रभात प्रकाशन
3. कृषि पत्रकारिता का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, राम कृष्ण पराशर, नकुल पराशर, हिंदी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. हिंदी पत्रकारिता शब्द संपदा, बद्रीनाथ आर, राकेश शिवकुमार अवस्थी
5. हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता, डॉ हरिमोहन, डॉ जयंत शुक्ल, तक्षशिला प्रकाशन
6. हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र और पत्रिकाएं, अच्युतानंद मिश्र, सामयिक प्रकाशन
7. हिन्दी के प्रमुख क्षेत्रीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं और चैनलों पर प्रकाशित-प्रसारित सामग्री

DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. पर्यावरण के प्रति छात्रों में संवेदनशीलता पैदा करना।
2. पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरूक करना।
3. पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।
4. प्रकृति, राष्ट्रीय संसाधनों के प्रति प्रेम एवं सह-अस्तित्व का भाव पैदा करना।

Course Learning Outcomes

1. पर्यावरण के प्रति समझ विकसित होगी।
2. पर्यावरण समस्याओं से छात्र अवगत होंगे।
3. पर्यावरण संरक्षण में मीडिया के प्रयोग को समझ सकेंगे।
4. पर्यावरण समस्याओं को उजागर करने में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।

1. पर्यावरण जागरूकता और मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण अध्ययन की परिभाषा, क्षेत्र और महत्व
- ग्लोबल और भारतीय मीडिया में पर्यावरण जागरूकता एवं प्रमुख पर्यावरण मुद्दे
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में मीडिया की भूमिका

2. पर्यावरण संरक्षण एवं मीडिया 10 घंटे

- राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण आंदोलन और मीडिया
- अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन एवं मीडिया
- वैश्विक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौते

3. पर्यावरण एवं भारतीय मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण से संबंधित भारतीय मीडिया का दृष्टिकोण
- प्रिंट मीडिया में पर्यावरण प्रस्तुति
- टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया में पर्यावरण मुद्दे

4. पर्यावरण चिंताएँ एवं मीडिया 15 घंटे

- प्रमुख पर्यावरण चुनौतियाँ और मुद्दे : जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, ग्रीन हाउस गैस प्रभाव
- राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर जैव विविधता
- पर्यावरण संबंधी सूचना के प्रसार में मीडिया की भूमिका
- विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं के संदर्भ में मीडिया की भूमिका।

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- विभिन्न पर्यावरणविदों से साक्षात्कार
- जल संकट, वायु प्रदूषण, पर्यावरणीय संकट पर डॉक्यूमेट्री तैयार करना
- पर्यावरणीय संकट पर फ़ीचर, स्लोगन, रिपोर्ट, परिचर्चा
- प्रयावरणीय मुद्दों पर आधारित न्यूज़ लेटर निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस
2. पर्यावरण अध्ययन में परिप्रेक्ष्य, ए. कौशिक और पी.सी. कौशिक, दरियागंज, न्यू एज प्रकाशन, दिल्ली
3. पर्यावरण अध्ययन, डॉ दया शंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पर्यावरण अध्ययन-संकट से इलाज तक, आर राजगोपालन, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली

DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया	4	3	0	1	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. कंप्यूटर और इन्टरनेट के स्वरूप, कार्यप्रणाली और उपयोगिता से अवगत कराना।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट तकनीक से अवगत कराना।
3. इंटरनेट आधारित संचार के स्वरूप को समझाना।
4. मीडिया के तकनीकी परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग को जान पाएँगे।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट से परिचित होकर रोजगार की संभावनाओं से परिचित होंगे।
3. कम्प्यूटर और इंटरनेट के विभिन्न अनुप्रयोगों का उपयोग कर सकेंगे।
4. इन्टरनेट आधारित अभिव्यक्ति के नए रूपों के प्रयोग में सक्षम होंगे।

1. कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य परिचय: 10 घंटे

- सूचना-स्रोत तथा कन्टेन्ट प्रसारक के रूप में मीडिया में इंटरनेट का अनुप्रयोग
- मीडिया के कामकाज में प्रयुक्त प्रमुख सॉफ़्टवेयर : एम एस वर्ड, क्वार्क एक्सप्रेस, इन डिजाइन, कोरल ड्रा, माइक्रोसॉफ़्ट पब्लिशर, फ़ोटोशॉप, केनवा
- कंप्यूटर और मल्टीमीडिया (ग्राफ़िक्स, फोटोग्राफ़, वीडियो तथा ऑडियो)

2. कंप्यूटर, इंटरनेट, तकनीक और मीडिया लेखन 10 घंटे

- सोशल मीडिया लेखन: फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉग लेखन
- ऑडियो रिकॉर्डिंग और संपादन, पॉडकास्ट एप
- वेबसाइट कंटेंट लेखन, संपादन, ले आउट, डिजाइन

3. कंप्यूटर, इंटरनेट और मुद्रित माध्यम 10 घंटे

- मैगजीन एप और पत्रिका निर्माण, न्यूजपेपर एप
- पोस्टर और बैनर एप और निर्माण
- ब्रोशर एप और निर्माण

4. कंप्यूटर इंटरनेट आधारित संचार के नए रूप 15 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन, वेब सीरीज, स्टीकर, इमोजी
- लाइव स्ट्रीमिंगः कार्यप्रणाली तथा उपलब्ध मंच
- भारत में सूचना प्रौद्योगिकी तथा कॉपीराइट कानून

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन निर्माण करना
- पोस्टर और बैनर
- ब्रोशर निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. तकनीक तेरे कितने आयाम, बालेन्दु शर्मा दाधीच, प्रभात प्रकाशन
2. मास मीडिया एंड इन्फोमेशन टेक्नोलॉजी, जे के सिंह
3. डिजीटल इंडिया, अजय कुमार, प्रभात प्रकाशन
4. तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दाधीच, ई प्रकाशक
5. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र,रविंद्र शुक्ला, राजकमल प्रकाशन
6. दिव्यांगों के लिए तकनीक, बालेन्दु शर्मा दाधीच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
7. Internet as a Media, Sandeep Banarjee, Kalpaz Publication, 2014
8. Internet and Mass Media, Lucy Kung, Robert G. Pichard, Ruth Towse, Sage Publication, 200

GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) **राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया**	4	3	0	1	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारत के प्रमुख राजनीतिज्ञों के योगदान की जानकारी प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों में राजनीतिक-दर्शन और घटनाओं की उपस्थिति से अवगत कराना।
- स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित राजनीतिक-सांस्कृतिक सामग्री का मूल्यांकन करना।
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों, पत्रकारों के योगदान का परिचय देना।

Course Learning Outcomes

- भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की समझ विकसित होगी।
- भारत-निर्माण में मीडिया की भूमिका की जानकारी प्राप्त होगी।
- समय और घटना-विशेष के संदर्भ में पत्र-पत्रिकाओं एवं पत्रकारों का योगदान रेखांकित हो सकेगा।
- भारत-बोध विकसित होगा।

1. राजनीति और मीडिया 10 घंटे

- भारत में राजनीति और मीडिया का अंतःसंबंध : मूल्य, व्यक्ति विशेष और सत्ता समीकरण के रूप में
- प्रमुख राजनीतिक दर्शन और मीडिया : संक्षिप्त परिचय (स्वाधीनता, सर्वोदय, स्वदेशी, अंत्योदय, लोकतंत्र)
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया पर प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों के विचार

2. स्वतंत्रता-पूर्व राजनीतिक दर्शन और मीडिया **10 घंटे**

- स्वाधीनता, स्वराज्य का विचार तथा हिंदी पत्रकारिता में उसके स्वरूप का अध्ययन (1857 का स्वाधीनता संघर्ष, बंग-भंग आंदोलन, ख़िलाफ़त आंदोलन तथा पूर्ण स्वराज्य)
- पुनर्जागरण का दर्शन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं (बालाबोधिनी, हिंदी प्रदीप तथा सरस्वती के विशेष संदर्भ में)
- साहित्य, पत्रकारिता तथा फिल्मों में स्वतंत्रता-पूर्व भारत बोध का स्वरूप

3. स्वातंत्र्योत्तर राजनीतिक घटनाक्रम और मीडिया **10 घंटे**

- राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य में मीडिया की भूमिका , क्रांति चेतना और मीडिया
- स्वातंत्र्योत्तर भारत के प्रमुख घटनाक्रम और हिंदी मीडिया : साम्राज्यवाद और सर्वसत्तावाद (विशेष संदर्भ- 1962 का भारत-चीन युद्ध तथा आपातकाल)
- मीडिया पर नव-उदारवादी व्यवस्था का प्रभाव

4. प्रमुख राजनीतिक दार्शनिक **15 घंटे**

- राममोहन राय, भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बाल गंगाधर तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गांधी
- भीमराव अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों द्वारा मीडिया पर किए गए विचारों का संकलन और लेखन
- ऊपर वर्णित राजनीतिक दर्शनों के संदर्भ में तत्कालीन पत्र-पत्रिकाओं में छपी सामग्री पर रिपोर्ट लेखन
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों का मीडियाकर्मी के रूप में दिए गए योगदान पर परियोजना-कार्य
- भारत-बोध में मीडिया के योगदान पर समूह-चर्चा, निबंध लेखन
- प्रमुख राजनीतिक-दार्शनिकों, क्रांतिकारियों द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं की तथा उनसे जुड़े स्थानों, स्मारकों और उन पर केंद्रित फिल्मों की सूची का निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. समाज और राजनीति का दार्शनिक अध्ययन, डॉ. ज्ञानंजय द्विवेदी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अंतर्वेद प्रवर गणेश शंकर विद्यार्थी, अमित राजपूत, लोकोदय प्रकाशन
5. राजा राममोहन राय, विजित कुमार दत्त, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
6. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. पं. दीनदयाल उपाध्याय : कर्तृत्व एवं विचार, डॉ. महेशचंद्र शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. राष्ट्र निर्माताओं की पत्रकारिता, कृपाशंकर चौबे, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई
10. पत्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मूकनायक डॉ. अंबेडकर, संकलन एवं अनुवाद- श्यौराज सिंह बेचैन, गौतम बुक सेंटर
12. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, रचना भोला 'यामिनी', प्रभात प्रकाशन

GE (ख) मीडिया प्रोडक्शन (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) **मीडिया प्रोडक्शन**	4	3	0	1	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- छात्रों को रेडियो, टेलीविजन, प्रिंट के प्रोडक्शन की जानकारी देना।
- मीडिया हाउस की प्रोडक्शन प्रक्रिया से रूबरू कराना।
- रेडियो एवं टेलीविजन की प्रसारण प्रक्रिया की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- छात्रों में मीडिया के विविध कार्यक्रम तैयार करने का कौशल विकसित होगा।
- रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण प्रक्रिया को जान पायेंगे।
- मीडिया प्रोडक्शन में तकनीकी महत्व की जानकारी प्राप्त होगी।

1. **प्रिंट प्रोडक्शन** **10 घंटे**
   - फ़ॉण्ट, कंप्यूटर टाइपिंग
   - एडिटिंग सॉफ्टवेयर : कोरल ड्रा, कंप्यूटर डिजाइनिंग, क्वॉर्क, केनवा, पेज मेकर, इनडिजाइन
   - फोटोग्राफी के सिद्धांत, फोटो चयन, कैप्शन लेखन, फ़ोटोशॉप
2. **रेडियो प्रोडक्शन** 10 **घंटे**
   - रेडियो स्टूडियो की संरचना, उपकरण एवं प्रमुख रेडियो सॉफ़्टवेयर
   - रिकॉर्डिंग और संपादन, एनालॉग ध्वनि, डिजिटल ध्वनि, डबिंग, वॉयस मॉड्यूलेशन
   - रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं रेडियो प्रसारण
3. **टेलीविजन एवं वीडियो प्रोडक्शन** **10 घंटे**
   - टीवी स्टूडियो संरचना, टीवी प्रसारण तकनीक, दृश्य-श्रव्य सॉफ्टवेर
   - वीडियो प्रोडक्शन प्रक्रिया : प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन

- कैमरा और प्रकाश व्यवस्था, विभिन्न शॉट्स और उनका कंपोजिशन, प्रकाशीय उपकरण

4. फिल्म और वेब प्रोडक्शन 15 घंटे

- फिल्म निर्माण प्रकिया, निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी, ध्वनि, संगीत, संपादन, कंप्यूटर एवं फ़िल्म प्रोडक्शन
- वेब प्रोडक्शन, वेब पोर्टल की संरचना, वेब पेज निर्माण
- ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म और वेब सीरीज

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

- समाचार पत्र पृष्ठ निर्माण करना।
- रेडियो बुलेटिन और पॉडकास्ट तैयार करना।
- वेब पेज निर्माण करना।
- प्रेस रिलीज, समाचार निर्माण, पॉडकास्ट और फोटोग्राफी अभ्यास हेतु कॉलेज कार्यक्रमों की कवरेज करना।

सहायक पुस्तकें :

1. ग्राफिक डिजाइन, नरेंद्र यादव, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल, मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
3. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
4. रेडियो वार्ता शिल्प, डॉ. सिद्धनाथ कुमार,राधा कृष्ण प्रकाशन
5. वीडियो प्रोडक्शन टेक्नीक, डॉनल्ड एल.डीफेन्बच एण्ड एनी ई.स्लेटन, रूटलेज,ए फोकल प्रेस बुक
6. वेब सीरीज लेखन (हिंदी संस्करण) दिनकर कुमार, किंडल बुक

REGISTRAR